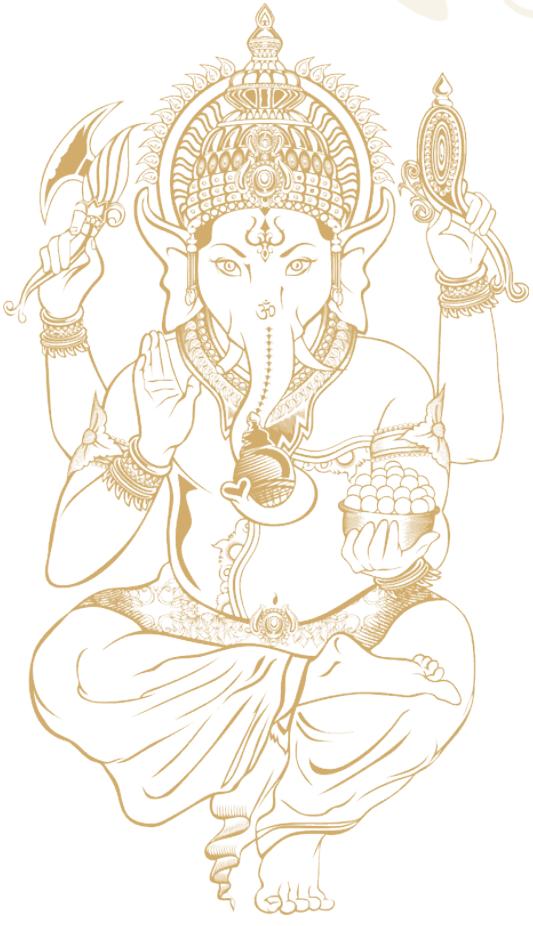

Rishikesh Pandey

20 Apr 2002

02:00 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121871002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/04/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	21:28:18 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:07:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:01 घंटे
साम्पातिक काल	04:00:46 घंटे
सूर्योदय	05:24:40 घंटे
सूर्यास्त	18:18:17 घंटे
दिनमान	12:53:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:12:13 मेष
लग्न के अंश	09:32:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:32:50	318:21:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			मेष	06:12:13	00:58:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	03:56:09	13:35:09	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			वृष	10:37:29	00:40:44	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध			मेष	20:06:03	01:54:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	15:27:18	00:08:20	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	29:32:11	01:13:19	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि			वृष	18:25:39	00:06:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु			वृष	25:05:32	00:00:17	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	25:05:32	00:00:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:11:27	00:02:02	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	16:57:02	00:00:45	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:29:35	00:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	08:23:11	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:03

लग्न-चलित

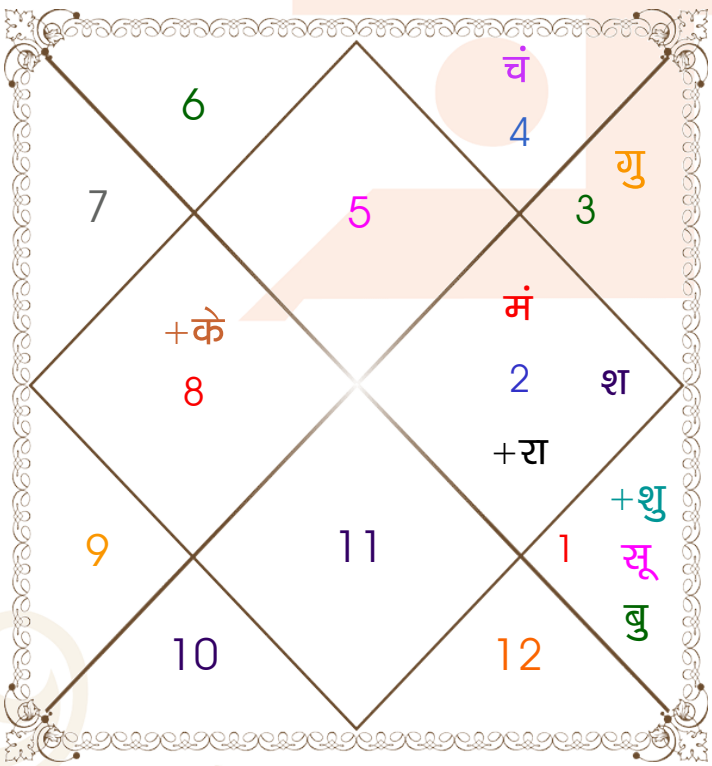

चन्द्र कुंडली

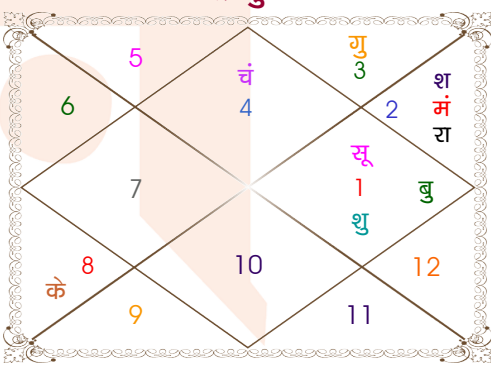

नवमांश कुंडली

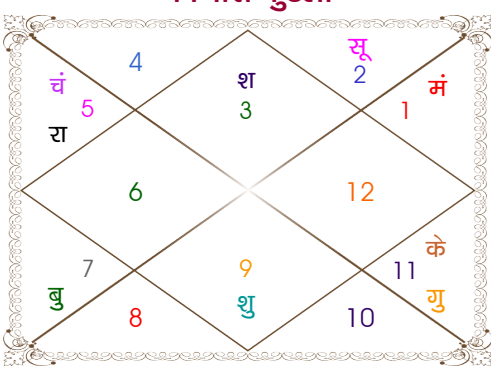

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 1 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/04/2002		10/06/2020		10/06/2037		10/06/2044		10/06/2064	
10/06/2020		10/06/2037		10/06/2044		10/06/2064		11/06/2070	
शनि	13/06/2004	बुध	07/11/2022	केतु	07/11/2037	शुक्र	11/10/2047	सूर्य	28/09/2064
बुध	21/02/2007	केतु	04/11/2023	शुक्र	07/01/2039	सूर्य	10/10/2048	चंद्र	29/03/2065
केतु	01/04/2008	शुक्र	04/09/2026	सूर्य	15/05/2039	चंद्र	11/06/2050	मंगल	04/08/2065
शुक्र	02/06/2011	सूर्य	11/07/2027	चंद्र	14/12/2039	मंगल	11/08/2051	राहु	29/06/2066
सूर्य	14/05/2012	चंद्र	10/12/2028	मंगल	11/05/2040	राहु	11/08/2054	गुरु	17/04/2067
चंद्र	13/12/2013	मंगल	07/12/2029	राहु	29/05/2041	गुरु	11/04/2057	शनि	29/03/2068
मंगल	22/01/2015	राहु	25/06/2032	गुरु	05/05/2042	शनि	10/06/2060	बुध	03/02/2069
राहु	28/11/2017	गुरु	01/10/2034	शनि	14/06/2043	बुध	11/04/2063	केतु	10/06/2069
गुरु	10/06/2020	शनि	10/06/2037	बुध	10/06/2044	केतु	10/06/2064	शुक्र	11/06/2070

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/06/2070		10/06/2080		11/06/2087		11/06/2105		11/06/2121	
10/06/2080		11/06/2087		11/06/2105		11/06/2121		00/00/0000	
चंद्र	11/04/2071	मंगल	06/11/2080	राहु	21/02/2090	गुरु	31/07/2107	शनि	21/04/2122
मंगल	10/11/2071	राहु	25/11/2081	गुरु	17/07/2092	शनि	10/02/2110		00/00/0000
राहु	11/05/2073	गुरु	01/11/2082	शनि	24/05/2095	बुध	18/05/2112		00/00/0000
गुरु	10/09/2074	शनि	11/12/2083	बुध	10/12/2097	केतु	24/04/2113		00/00/0000
शनि	10/04/2076	बुध	07/12/2084	केतु	29/12/2098	शुक्र	24/12/2115		00/00/0000
बुध	10/09/2077	केतु	05/05/2085	शुक्र	29/12/2101	सूर्य	11/10/2116		00/00/0000
केतु	11/04/2078	शुक्र	05/07/2086	सूर्य	23/11/2102	चंद्र	10/02/2118		00/00/0000
शुक्र	11/12/2079	सूर्य	10/11/2086	चंद्र	24/05/2104	मंगल	17/01/2119		00/00/0000
सूर्य	10/06/2080	चंद्र	11/06/2087	मंगल	11/06/2105	राहु	11/06/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।